तर्ज--दिल लूटने वाले
जिंद देके जे ओदा प्यार मिले ,
तां फिर वी सौदा माड़ा नही
सिर देके जे सरकार मिले,
तां फिर वी सौदा माड़ा नही
1--जेड़ा झिड़का झम्बा सह जावे
दर उसदा मल के बै जावे
हर वेले पई फटकार मिले
तां फिर वी .....
2--भूल जा तू झूठियां शाना नू
छड़दे सब मान गुमाना नू
भावें जीत दे बदले हार मिले
तां फिर वी.....
3--गम सिर ते चाने पैन्दे ने
कई चक्कर लगाने पैन्दे ने
सौ जन्मा दा इकरार मिले
तां फिर वी.....
4--ए प्यार लगाना सौखा है
पर प्यार निभाना औखा है
सिर दे के जे सरकार मिले
तां फिर वी.....

Nijanand App